हिन्दी

कक्षा - V पाठ - 11 चावल की रोटियाँ

शब्दार्थ

बर्मी :— बर्मा का निवासी

तश्तरी :— प्लेट

खास :— विशेष

सूचना :— जानकारी

ढूँढ़ना :— खोजना

हमेशा :— सदैव

आवाज़ :— स्वर

खुशकिस्मती :— अच्छी किस्मत / अच्छा नसीब

काफी :— बहुत

जिस्म :— शरीर

शुक्रिया :— धन्यवाद

खत्म :— समाप्त

प्रबंधक :— मैनेजर

Scanned by CamScanner

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.) चावल की रोटियाँ किसने बनाई थी?

उत्तर :— चावल की रोटियाँ कोको की माँ ने बनाई थी।

प्रश्न 2.) कोको के माता-पिता कहाँ गए थे?

उत्तर :— कोको के माता-पिता खेतों में धान लगाने गए थे।

प्रश्न 3.) उ बा तुन कौन था?

उत्तर :— उ बा तुन जनता की दुकान का प्रबंधक था।

प्रश्न 4.) फूलदान का रंग कैसा था?

उत्तर :— फूलदान का रंग नीला था।

प्रश्न 5.) केले के पापड़ किसने बनाई थी?

उत्तर :— केले के पापड़ मिमि की माँ ने बनाई थी।

प्रश्न 6.) इस पाठ का नाम चावल की रोटियाँ क्यों रखा गया।

उत्तर :— इस पाठ का नाम चावल की रोटियाँ इसलिए रखा गया, क्योंकि इस पाठ की संपूर्ण

Scanned by CamScanner

कहानी चावल की खेतियों पर ही आधारित है।

Scanned by CamScanner